प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विष्वविद्यालय में दो–दिवसीय एलुमनाई मीट–2025 का सफल आयोजन

पंतनगर। 16 नवम्बर 2025। विष्वविद्यालय स्थापना दिवस सप्ताह के अवसर पर दो दिवसीय एलुमनाई मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें 1972 कृषि बैच के पूर्व छात्र विशेष रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम में स्मृतियों, आत्मीय संवादों और पुराने साथियों से मुलाकात का उत्साह देखते ही बनता था, जिसने पूरे आयोजन को अत्यंत यादगार बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन एलुमनाई अल्मामेटर एडवांसमेंट एसोसिएशन (4ए) के बैनर तले किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विष्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व कुलपति डा. बी. एस. बिष्ट, कुलसचिव डा. दीपा विनय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए. एस. जीना तथा सचिव, 4ए, डा. अनिल यादव मंचासीन रहे।

अपने संबोधन में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने विष्वविद्यालय की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों और मील के पत्थरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बेल्जियम सरकार विष्वविद्यालय को देशी बद्री नस्ल की गाय के क्लोनिंग कार्य हेतु 12 करोड़ रुपये प्रदान करेगी, जो पशु जैव–प्रौद्य ोगिकी और देशी नस्लों के संरक्षण के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि आईसीएआर ने विष्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षण एवं विस्तार व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु 7 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। तकनीकी प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति ने बताया कि विष्वविद्यालय में अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, जो किसी कृषि विष्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस उन्नत प्रयोगशाला के माध्यम से 16 विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्लेसमेंट और इंटर्नशिप प्राप्त हो चुकी हैं, जो छात्रों की तैयारी और विष्वविद्यालय की प्रगतिशील शैक्षणिक दिशा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस प्रयोगशाला की स्थापना से शिक्षकों और शोधार्थियों में नवाचार, अनुसंधान संस्कृति और प्रेरणा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डा. चौहान ने बताया कि विभिन्न संकायों के शिक्षक अत्यधिक उत्साहित हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में परियोजना प्रस्ताव जमा हुए हैं और कई उच्च मूल्य की परियोजनाएँ विष्वविद्यालय को प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के भविष्य के लिए यंत्रीकरण अत्यंत आवश्यक है और पंतनगर विष्वविद्यालय किसानों के लिए उन्नत तकनीक विकसित करने, उत्पादकता बढ़ाने और कृषि के आधुनिकीकरण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कुलपति ने पूर्व छात्रों की निरंतर सहायता की सराहना करते हुए कहा कि एलुमनाई ही विष्वविद्यालय की पहचान और शक्ति हैं, जो पंतनगर को वैष्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व कुलपति डा. बी. एस. बिष्ट ने विष्वविद्यालय परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने पूर्व छात्रों और विष्वविद्यालय के बीच मजबूत भावनात्मक संबंध की सराहना की तथा पंतनगर स्नातकों के वैष्विक योगदान पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित कई प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार छात्रों को प्रदान किए गए। इनमें 4ए आशा किरण छात्रवृत्ति, डा. आर. सी. चिब्बर पुरस्कार (कृषि संकाय के तृतीय वर्ष के छात्रों हेतु), पंतनगर ई–कनेक्शन्स ऑल–राउंडर छात्र पुरस्कार, बिजय के. सिंह 'गो फॉर द गोल्ड' पुरस्कार, प्रो. गजेन्द्र सिंह सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्र पुरस्कार, आउटस्टैंडिंग एलुमनस अवॉर्ड तथा 1972 बैच छात्रवृत्ति शामिल थीं।

कार्यक्रम का संचालन सचिव 4ए डा. अनिल यादव द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम की रूप–रेखा बतायी। धन्यवाद प्रस्ताव सलिल तिवारी द्वारा किया गया। इस दो दिवसीय एलुमनाई मीट मधुर स्मृतियों, पुनर्मिलन की भावनाओं और पंतनगर विष्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार संस्कृति और कृषि नेतृत्व को आगे बढ़ाने के सामूहिक संकल्प के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेषकगण, संकाय सदस्य, विष्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं विष्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

4A WARMLY WELCOMES
ALL ALUMNI IN
The Pantnagarians'

4A WARMLY WELCOMES
ALL ALUMNI IN
The Pantnagarians'
ALUMNI
MEET-25
ALMA MATER ADVANCEMENT ASSOCIATION